Daily Current Affairs

टॉपिक 1 :– क्या भारत के पड़ोस में एक नए ईसाई देश का निर्माण की जा रहा है

हाल ही में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दावा किया था कि कुछ विदेशी शक्तियां बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को मिलाकर ईस्ट तिमोर जैसा एक देश बनाने का प्रयास कर रही है। परंतु उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से किसी भी देश का नाम नहीं लिया है।

इसी के साथ शेख हसीना ने दावा किया है कि इसी वर्ष 7 जनवरी को हुए उनके देश में चुनाव को भी प्रभावित करने का प्रयास किया गया था जिसके तहत उन्हें एक ऑफर दिया गया था जिसमें कहा गया था कि अगर वह अपनी देश की भूमि में एक एयरबेस बनाने की अनुमति देती है तो उन्हें बिना किसी परेशानी के चुनाव कराने में सहयोग किया जाएगा। परंतु यहां भी शेख हसीना ने किसी देश का नाम नहीं लिया।

PM हसीना ने बयान में कहा कि, कुछ देश अपने लाभ के लिए ईस्ट तिमोर की तरह ही बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ भागों को मिलाकर ईसाई देश बनाने का प्रयास कर रहे हैं जिसका आधार बंगाल की खाड़ी में होगा।"

शेख हसीना ने आगे अपने बयान में कहा कि यह क्षेत्र हमेशा से व्यापारिक गतिविधि के लिए महत्त्वपूर्ण रहा है और किस क्षेत्र में आराम से शांति भी रही है जिसका लाभ कुछ देश उठाना चाहते हैं

ईस्ट तिमोर :– यह एक ईसाई बहुल देश है। यह एशिया में स्थित एक देश है। इसका एक अन्य नाम तिमोर-लेस्ते भी है।

ईस्ट तिमोर का इतिहास :–

- यह 21वीं सदी में आजाद होने वाला पहला देश है। ईस्ट तिमोर एशिया में निर्मित होने वाला सबसे नया देश है।

Result Mitra

- यह 16वीं शताब्दी से पुर्तगाल के अधीन एक उपनिवेश था और कई दसको और शताब्दियों तक यह पुर्तगाल के अधीन रहा ।
- 1975 में ईस्ट तिमोर को आजादी प्राप्त हुई। आजादी प्राप्त होने के कुछ वर्षों बाद इंडोनेशिया ने इस पर कब्जा कर लिया। इंडोनेशिया द्वारा कब्जा कर लिए जाने के बाद उसने इसे अपना 27 व राज्य बना लिया।

- ईस्ट तिमोर में इंडोनेशिया से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक संघर्ष होते रहे परंतु इंडोनेशिया के द्वारा इन सभी संघर्ष तथा आंदोलनों को कुचल दिया गया।

- इस क्षेत्र में जनमत संग्रह करवाने के लिए इंडोनेशिया के ऊपर काफी दबाव बनाया गया तब 1999 में इंडोनेशिया इस क्षेत्र में जन्म संग्रह करवाने के लिए तैयार हुआ।

- जनमत संग्रह के बाद ईस्ट तिमोर 2002 में स्वतंत्र देश के रूप में स्थापित हुआ

Topic 2:– मौसम विभाग के द्वारा बताया गया की इस वर्ष मानसून 31 मई दस्तक देगा

चर्चा में क्यों :– IMD द्वारा जानकारी प्रदान की गई है की इस वर्ष मॉनसून 31 मई से प्रारंभ होगा जिससे अधिक वर्षा और अच्छी फसलों संकेत मिल सकते है : IMD

- मौसम विभाग के द्वारा 2024 के मॉनसून सत्र के लिए अनुमान लगाया गया है कि बारिश सामान्य से अधिक होगी ।

- मौसम विभाग द्वारा कहा गया कि देश के बारिश वाले क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है जिसके अंतर्गत निम्न लिखित क्षेत्र आते है :– मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल ।

- मानसून से वर्षा अधिक होने के कारण जो क्षेत्र इस पर निर्भर है उनमें दलहन और तिलहन फसलों का उत्पादन अच्छा होने की संभावना है।

- न सिर्फ दलहन और तिलहन बल्कि मोटे अनाज के उत्पादन में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है ।

- मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक कहा देश के अन्य भागों भी जैसे कि पूर्वोत्तर भारत, ओडिशा व पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाकों और जम्मू कश्मीर में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

Result Mitra

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) :–

- यह एक सरकारी एजेंसी है।
- 2025 में इसे 150 वर्ष पूर्ण होने वाले है।
- इसकी स्थापना 1875 में हुई थी
- हाल ही में इसे एक नया लोगो प्रदान किया गया है।
- नए लोगो में नारंगी और हरे रंग का प्रयोग किया गया है।
- वर्तमान लोगो में ही 150 को दर्शाता है जो इस विभाग के 150 वर्ष पूर्ण होने को दर्शाता है

विशेष :–

आईएमडी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संस्था है जो मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित सूचनाएं उपलब्ध कराती है

Result Mitra

आईएमडी भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करती है।

यह विश्व में स्थापित मौसम विज्ञान संगठन के छह क्षेत्रीय विशिष्ट केंद्रों में से एक है।

Topic 3 :– भूस्खलन के कारण पापुआ न्यू गिनी में 2,000 से अधिक लोग मलबे में दबे

चर्चा में क्यों :– पापुआ न्यू गिनी में हाल ही में एक भूस्खलन की घटना हुई और यह घटना इतनी गंभीर थी कि इसके मलवे में 2000 से अधिक लोग दबे होने की सूचना है।

यह सूचना खुद पापुआ न्यू गिनी में संयुक्त राष्ट्र के सामने प्रस्तुत की।

पापुआ न्यू गिनी ने 27 मई को संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया कि एक रिमोट गांव (दूरदराज के गांव) में एक बड़े भूस्खलन की घटना हुई जिसमे 2,000 से अधिक लोग दब गए।

यह एक पहाड़ी गांव है जो लगभग अब पूरी तरह नष्ट हो गया है ।

Result Mitra

पापुआ न्यू गिनी:-

- पापुआ न्यू गिनी 1973 तक स्वशासन प्रक्रिया के अंतर्गत था।
- जबकि इसे वर्ष 1975 में पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
- यह एक द्वीप देश है जो दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में स्थित है।
- पापुआ न्यू गिनी में कई छोटे अपतटीय द्वीप शामिल हैं।
- पापुआ न्यू गिनी एक पहाड़ी क्षेत्र है परंतु दक्षिणी न्यू गिनी में निचले मैदान पाए जाते हैं।
- पापुआ न्यू गिनी की जलीय सीमा सोलोमन द्वीप और ऑस्ट्रेलिया के साथ लगती है जबकि इसकी स्थलीय सीमा इंडोनेशिया के साथ साझा होती है
- इसकी राजधानी पोर्ट मोरेस्बी (Port Moresby) है

Result Mitra

Topic 4 :– राजनीतिक पार्टियों तथा उनके घोषणा पत्र और हालिया सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

चर्चा में क्यों:– हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कहा गया है कि यदि घोषणापत्र में किए गए वादे अंततः जनता के वित्तीय लाभ के लिए काम करते हैं तो इसमें कुछ भी 'भ्रष्ट' नहीं ।

यह याचिका शशांक जे श्रीधर के द्वारा कर्नाटक कांग्रेस विधायक बी जेड जमीर अहमद खान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी।

याचिका में कहा गया कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत किए गए अपने घोषणापत्र में जनता को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय मदद देने का प्रलोभन दिया गया । ऐसा करना भ्रष्ट चुनावी आचरण के समान है।

इस याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ कर रही थी ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि :– किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र में घोषित किए गए वादों से अगर जनता के लिए वित्तीय लाभ के लिए काम किया जाता है तो इसमें कुछ भी भ्रष्ट नहीं है।

Topic 5 :– राष्ट्रीय हरित अधिकरण

चर्चा में क्यों :– हाल ही में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGI) के द्वारा चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CPCL) के ऊपर 5 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करने का आदेश प्रदान किया है है।

यह जुर्माना मार्च 2023 में हुई एक तेल रिसाव की घटना से संबंधित हैं जो नागपट्टिनम तट पर घटित हुई थी

एनजीटी द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान CPCL नो-फॉल्ट लायबिलिटी' के रूप में करेगा ।

नो-फॉल्ट लायबिलिटी (या स्ट्रिक्ट लायबिलिटी) इसलिए कहा गया क्योंकि रिसाव पाइपलाइन किसी बाहरी कारक। की वजह से हुआ, न कि CPCL की किसी लापरवाही या गलती के कारण।

Result Mitra

तेल रिसाव (Oil Spill) के बारे में

यह एक प्रदूषण का प्रकार है। जब समुद्र की क्षेत्र से तेल का आयात या निर्यात किया जाता है तो ऐसे समय इन्हें ले जाने वाले जहाज पाइपलाइन से रिसाव की समस्या बनी रहती है इसी रिसाव के कारण समुद्री क्षेत्र तथा समुद्री जीवों और पर्यावरण के लिए घातक होता है।

तेल रिसाव से निपटने की तकनीकें

फ्लोटिंग बूमः समुद्र में तेल रिसाव को बड़े भाग में फैलने से रोकने के लिए अस्थायी फ्लोटिंग बैरियर्स का उपयोग किया जाता हैं।

आयलजैपरः इस तकनीक में ऐसे बैक्टीरिया का प्रयोग लिया जाता है जो समुद्र की सतह पर या नदियों की सतह पर आए कच्चे तेल को खा कर समाप्त कर देते है

तेल रिसाव को रोकने संबंधित पहलें :–

राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिकता योजना (1996): इस योजना का क्रियान्वयन भारतीय तटरक्षक बल द्वारा किया जाता है तथा यही इस योजना की नोडल एजेंसीं है।

जहाजों से प्रदूषण की रोकथाम के लिए अंतरर्राष्ट्रीय अभिसमय या MARPOL: भारत भी इस अभिसमय का हस्ताक्षरकर्ता देश है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT) के बारे में :–

- स्थापना :– 18 अक्तूबर, 2010
- NGT की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम (National Green Tribunal Act), 2010 के तहत की गई थी।
- पर्यावरण के लिए इस प्रकार के न्यायालय की स्थापना करने वाला भारत दुनिया का तीसरा देश तथा विकासशील पहला देश है
- इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड भी इस प्रकार के निकाय की स्थापना कर चुके है ।

स्थापना का उद्देश्य :– पर्यावरण संबंधी मुद्दों को तेज़ी से निपटारा जा है, तथा अदालतों में मुकदमों के बोझ को कुछ कम किया जा सके।

Result Mitra

NGT का मुख्यालय दिल्ली में स्थित है

जबकि इसके चार क्षेत्रीय कार्यालय है जो भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में स्थित हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के अनुसार,

यह अनिवार्य है कि NGT के पास आने वाले पर्यावरण संबंधी मुद्दों का निपटारा 6 महीनों के भीतर कर दिया जाए।

NGT में सदस्य :– अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य ।

इनकी नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि या पैंसठ वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक के लिए होती है ये अपने पद पर पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं होते ।

NGT के अध्यक्ष की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है किंतु इसके लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश का परामर्श आवश्यक है ।

'

Topic 6 :– हीट इंडेक्स

चर्चा में क्यों :– हाल ही में दिल्ली का हीट इंडेक्स 50°C तक पहुंचा ।

हीट इंडेक्स (HI) :–

इसे को 'आभासी या अनुभूति तापमान' (Apparent Temperature) के नाम। से भी जाना जाता है।

इसे भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMID) के द्वारा लॉन्च किया है।

जब वास्तविक तापमान की तुलना में अधिक गर्मी महसूस हो तो इसे हिट इंडेक्स कहा जाता है

जब सापेक्ष आर्द्रता वायु के तापमान के साथ संयोजित हो जाती है तब मानव शरीर को 'आभासी या अनुभूति तापमान' का अनुभव होता है,।

Result Mitra

Table 1: Temperature/ Humidity Index

Relative Humidity %	Temperature °C																
	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43
40	27	28	29	30	31	32	34	35	37	39	41	43	46	48	51	54	57
45	27	28	29	30	32	33	35	37	39	41	43	46	49	51	54	57	
50	27	28	30	31	33	35	36	38	41	43	46	49	52	55	58		
55	28	29	30	32	34	36	38	40	43	46	48	52	54	58			
60	28	29	31	33	35	37	40	42	45	48	51	55	59				
65	28	30	32	34	36	39	41	44	48	51	55	59					
70	29	31	33	35	38	40	43	47	50	54	58						
75	29	31	34	36	39	42	46	49	53	58							
80	30	32	35	38	41	44	48	52	57								
85	30	33	36	39	43	47	51	55									
90	31	34	37	41	45	49	54										
95	31	35	38	42	47	51	57										
100	32	36	40	44	49	56											

Caution | Extreme Caution | Danger | Extreme Danger

Source: Calculated °F to °C from NOAA's National Weather Service

Source: NDMA Heat Guidelines (2016)

Result Mitra

हीट इंडेक्स के लिए निम्नलिखित कलर कोड का उपयोग किया जाता है:

हराः हीट इंडेक्स 35 डिग्री सेल्सियस से कम हो.

पीलाः हीट इंडेक्स 36-45 डिग्री सेल्सियस के बीच हो:

नारंगी: हीट इंडेक्स 46-55 डिग्री सेल्सियस के बीच हो:

लालः हीट इंडेक्स 55 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो।